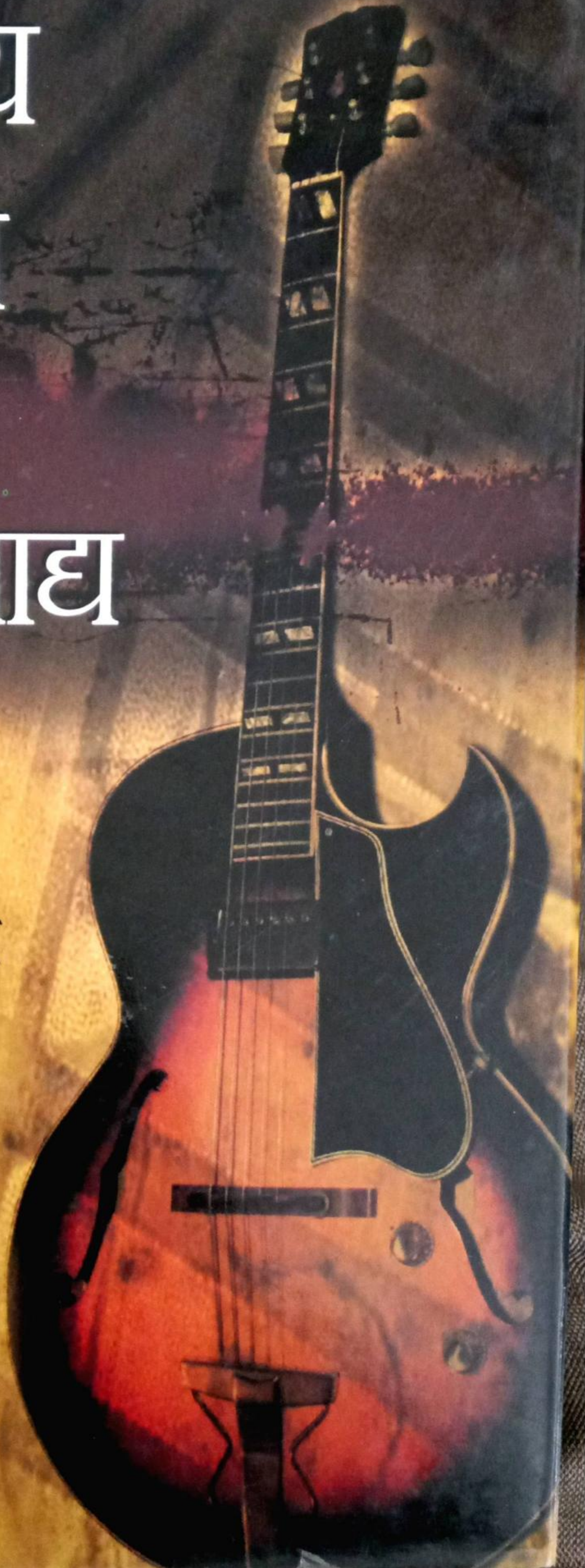


भारतीय संगीत में गिटार वाद्य

रंजन कुमार



विषयानुक्रमणिका

कृतज्ञता ज्ञापन	v
आमुख	vii
1. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में वाद्य, महत्त्व व वर्गीकरण	1
• मानव जीवन में संगीत का महत्त्व	
• शास्त्रीय संगीत में वाद्य	
• वाद्य वर्गीकरण	
• गिटार वाद्य का उद्गम, विकास व भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्थान	
• स्पेन में गिटार की विशिष्टता एवं प्रबलता	
• स्पैनिश गिटार का प्रचलन	
• गिटार का भारतीय शास्त्रीय संगीत में आगमन	
2. गिटार वाद्य एवम् उसमें किए गए परिवर्तनों के संदर्भ में विभिन्न वाद्यों का प्रभाव	30
• गिटार की बनावट	
• भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त गिटार की बनावट	
• भारतीय शास्त्रीय संगीत के अनुकूल गिटार को बनाने में विभिन्न वाद्यों का प्रभाव	
✦ बनावट के आधार पर सितार वाद्य का गिटार पर प्रभाव	
✦ तारों को स्वरों से मिलाने के आधार पर सितार का गिटार वाद्य पर प्रभाव	
✦ तकनीक के आधार पर सितार का गिटार पर प्रभाव	
✦ सितार की धारण विधि	
✦ वादन शैली के आधार पर सितार का गिटार पर प्रभाव	
✦ बनावट के आधार पर सरोद वाद्य का गिटार पर प्रभाव	
✦ तारों को स्वरों से मिलाने के आधार पर सरोद का गिटार पर प्रभाव	

- तकनीक के आधार पर सरोद का गिटार पर प्रभाव
- सरोद की धारण विधि
- वादन शैली के आधार पर सरोद का गिटार पर प्रभाव
- बनावट के आधार पर विचित्र वीणा वाद्य का गिटार पर प्रभाव
- तारों को स्वरों से मिलाने के आधार पर विचित्र वीणा का गिटार पर प्रभाव
- तकनीक के आधार पर विचित्र वीणा का गिटार वाद्य पर प्रभाव

3. गिटार के विभिन्न प्रकार, अंग व वादन की तकनीक 70

- गिटार के विभिन्न प्रकार
- फाइव कोर्स
- सिक्स कोर्स
- पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत के लिए प्रयुक्त क्लासिकल गिटार
- आधुनिक गिटार
- लायर गिटार
- फ्लेमेनको गिटार
- लोक संगीत में प्रयुक्त होने वाला गिटार
- एक्यूस्टिक प्लेक्ट्रम गिटार
- इलेक्ट्रीक हवाईन गिटार
- एक्यूस्टिक स्टील स्ट्रिंग गिटार
- एक्यूस्टिक नायलॉन स्ट्रिंग गिटार
- सेमी एक्यूस्टिक इलेक्ट्रीक गिटार
- सॉलिड बॉडी इलेक्ट्रीक गिटार
- इलेक्ट्रीक बेस गिटार
- गिटार यूनिट
- भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त गिटार
- गिटार वाद्य के विभिन्न अंग तथा वादन सामग्री
- गिटार की तकनीक
- पिक्स से बोल निकास
- बायें हाथ का संचालन
- गिटार पर प्रस्तुत शास्त्रीय संगीत के अभिव्यक्ति के तत्त्व

4. गिटार वाद्य पर राग प्रस्तुतीकरण, कलाकार एवं गतें

98

- गिटार वाद्य पर राग प्रस्तुतीकरण
- गिटार वाद्य के प्रमुख कलाकार
- ◆ पं. गोपाल सिंह
- ◆ पं. बृजभूषण काबरा
- ◆ पं. विश्वमोहन भट्ट
- ◆ श्री देवाशीष भट्टाचार्य
- ◆ श्री सुभाष चन्द्र घोष
- ◆ डॉ. कमला शंकर
- ◆ श्री कृष्ण कुमार शर्मा
- गतें

उपसंहार

120

संदर्भ ग्रंथ सूची

122